मंगलकारी 'तेज' दुलारी

[આ ભક્તિ વિ.સં. ૨૦૨૬ (ઈ.સ. ૧૯૭૦)માં બહેનશ્રીની જન્મ-જયંતી પ્રસંગે પંડિત શ્રી હિંમતભાઈએ બનાવેલ હતી.]

(राग : निरखी निरखी मनहर मूरत)

मंगलकारी ★'तेज'दुलारी पावन मंगल मंगल है;
मंगल तव चरणोंसे मंडित अवनी आज सुमंगल है,
....मंगलकारी०

श्रावण दूज सुमंगल उत्तम, ×वीरपुरी अति मंगल है,
मंगल मातपिता, कुल मंगल, मंगल धाम रु आंगन है;
मंगल जन्ममहोत्सवका यह अवसर अनुपम मंगल है,
....मंगलकारी०

मंगल शिशुलीला अति उज्ज्वल, मीठे बोल सुमंगल हैं,
शिशुवयका वैराग्य सुमंगल, आतम-मंथन मंगल है;
आतमलक्ष लगाकर पाया अनुभव श्रेष्ठ सुमंगल है,
....मंगलकारी०

सागर सम गंभीर मति-श्रुत ज्ञान सुनिर्मल मंगल है,
समवसरणमें कुंदप्रभुका दर्शन मनहर मंगल है;
सीमंधर-गणधर-जिनधुनिका स्मरण मधुरतम मंगल है,
....मंगलकारी०

शशि-शीतल मुद्रा अति मंगल, निर्मल नैन सुमंगल हैं,

★ तेजबा = पूज्य बहिनश्री चंपाबहिनकी मातुश्री

× वीरपुरी = पूज्य बहिनश्री चंपाबहिनका जन्मस्थान वर्धमानपुरी (वढवाण शहेर)

आसन-गमनादिक कुछ भी हो, शांत सुधीर सुमंगल है;
प्रवचन मंगल, भक्ति सुमंगल, ध्यानदशा अति मंगल है,
....मंगलकारी०

दिनदिन वृद्धिमती निज परिणति वचनातीत सुमंगल है,
मंगलमूरति-मंगलपदमें मंगल-अर्थ सुवंदन है;
आशिष मंगल याचत बालक, मंगल अनुग्रहदृष्टि रहे,
तव गुणको आदर्श बनाकर हम सब मंगलमाल लहें.
....मंगलकारी०